

फैक्ट सीट

1-परियोजना का नाम

— मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा संख्या 23/2019 ट्रान्सपोर्ट नगर रोड से केशवपुरम बस्ती तक मार्ग निर्माण।

2-प्रभावित भूमि का वैधानिक स्थिति के अनुसार क्षेत्रफल(है0 में)–

आरक्षित वन भूमि	—	0.074 है0
सिविल एवं सोयम वन भूमि	—	—
वन पचायंत भूमि	—	—
निजी भूमि	—	—
योग	—	0.074 है0

3- प्रस्तावक विभाग का नाम

— ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड नैनीताल

4- वन प्रभाग का नाम

— तराई केन्द्रीय वन प्रभाग रुद्रपुर।

5- प्रस्ताव बाइडिंग किया गया है—

✓ हॉ/नहीं

6- प्रस्ताव में विषय सूची भरी गयी है—

✓ हॉ/नहीं

7- क्या भारत सरकार के प्रारूप के भाग-1, 2, व 3 के सभी बिन्दुओं की सूचना भरी गयी है—

✓ हॉ/नहीं

8- क्या प्रारूप में वाछित स्थानों पर दिनांक व स्थान भरा गया है—

✓ हॉ/नहीं

9- प्रस्तावित क्षेत्र की हरियाली का घनत्व दर्शाया गया है—

✓ हॉ/नहीं

10-प्रभावित होने वाले वृक्षों के सख्यां की सूची/प्रमाण पत्र सलग्न है—

✓ हॉ/नहीं

11-बांज प्रजातियों के वृक्षों के प्रभावित होने की दशा में सम्बन्धित वन संरक्षक का स्थलीय निरीक्षण प्रमाण-पत्र सलग्न है— (उक्त निर्माण में कोई भी बांज प्रजाति का वृक्ष प्रभावित नहीं हो रहा है)

12-प्रभावित होने वाले वृक्षों की सख्यां यदि अत्यधिक है तो प्रस्तावक विभाग द्वारा उन्हें कम करने का क्या प्रयास किया गया है— (प्रस्तावित वन भूमि वृक्ष विहीन है) ✓ हॉ/नहीं

13-समरेखण में आने वाले कुल वृक्षों की सख्यां व वास्तविक रूप से काटे जाने वाले वृक्षों की सूची सलग्न है— (प्रस्तावित वन भूमि वृक्ष विहीन है) हॉ/नहीं

14-क्या वृक्षों की सख्या के अनुसार हरियाली का घनत्व सही है—

✓ हॉ/नहीं

15-क्या क्षतिपूरक वृक्षारोपण की विस्तृत योजना मय स्थल उपयुक्तता प्रमाण पत्र सहित प्रस्ताव में सलग्न है— (लागू नहीं) ~~हॉ/नहीं~~

16-क्या मानचित्र में क्षतिपूरक वृक्षारोपण स्थल को दर्शाया गया है—

लागू नहीं।

17-प्रस्तावित मार्ग के दोनो ओर परियोजना के आस-पास रिक्त पड़े स्थानों की वृक्षारोपण योजना सलग्न है—

✓ हॉ/नहीं

18-क्या परियोजना क्षेत्र वन्य जीवों के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है—

✓ हॉ/नहीं

19-प्रस्तावित क्षेत्र हाथी करेडोर का हिस्सा है—

✓ हॉ/नहीं

20-क्या प्रस्ताव का क्षेत्रफल सभी प्रपत्रों में सही भरा गया है—

✓ हॉ/नहीं

- 21-प्रस्तावित मार्ग नया प्रस्तावित है अथवा पूर्व निर्मित मार्ग से आगे निर्माण किया जाना है- ~~नया है~~ ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 22-क्या मानचित्र में प्रभावित विभिन्न प्रकार की भूमि को अलग-अलग रंगों से भरा गया है- ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 23-यदि सड़क का आरम्भिक बिन्दु किसी मार्ग से निकलता है तो उस मार्ग को मानचित्र पर दर्शाया गया है। ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 24-क्या प्रस्तावित परियोजना में वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 का उल्लंघन हुआ है- ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 25-यदि उल्लंघन हुआ है तो पूर्ण स्थिति वर्णित करते हुये अधिकारियों/कर्मचारियों के नाम एवं उनके विरुद्ध की गयी कार्यवाही का विवरण संलग्न किया जाय। ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 26-सड़क निर्माण हेतु तलाशी गयी अन्य सम्भावनायें/वैकल्पिक समरेखण मानचित्र पर दर्शाये गये हैं- ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 27-वैकल्पिक समरेखण को निरस्त करने का कारण ☒ संलग्न है।
- 28-लागत लाभ विश्लेषण मात्रात्मक रूप में प्रस्तुत है- ☒ हाँ / ☐ नहीं
(5 है० से अधिक के प्रकरण में लागू होगा)
- 29-मानचित्र व बार चार्ट में एकरूपता है- ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 30-मलवे की योजना मय मानचित्र के संलग्न है-
अथवा ☒ संलग्न है।
मलवे के निस्तारण के सम्बन्ध में प्रमाण पत्र संलग्न है-
- 31-राज्य सरकार द्वारा लगायी जाने वाली शर्तों का प्रमाण-पत्र प्रस्ताव में संलग्न है- ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 32-क्या प्रस्ताव में संलग्न प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियाँ मूल में संलग्न हैं-
(यदि छायाप्रतियाँ संलग्न की गयी हैं तो क्या वे सत्यापित हैं) ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 33-यदि वन भूमि लीज पर दी जानी है तो लीज अवधि का प्रमाण-पत्र संलग्न है- ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 34-वित्तीय प्रशासनिक / स्वीकृति संलग्न है- ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 35-क्या प्रस्ताव के सभी प्रमाण-पत्रों में परियोजना का नाम अंकित है- ☒ हाँ / ☐ नहीं
- 36-क्या चैक लिस्ट के अनुसार सभी प्रमाण-पत्र संलग्न है- ☒ हाँ / ☐ नहीं

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्ताव उक्त फॉक्ट सीट एवं चैक लिस्ट के अनुसार गठित किया गया है व समस्त प्रमाण-पत्र / सूचनायें संलग्न कर दी गयी हैं।

सहायक अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग
उपखण्ड - नैनीताल

अधिशोषी अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग
उपखण्ड - नैनीताल